Media coverage - National workshop on All India Coordinated Research Project at ICFRE - Tropical Forest Research Institute Jabalpur

स्वदेश ज्योति
www.swadeshjyoti.com
जबलपुर
जबलपुर, शुक्रवार 1 अगस्त, 2025 02

दो दिवसीय कार्यशाला के पहले दिन हुई फसलों पर चर्चा

स्वदेश ज्योति संवाददाता, जबलपुर।

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम में राज्य वन विभागों के अधिकारियों, अनुसंधान संस्थानों, प्रगतिशील किसानों, शिक्षाविदों, स्वयं सहायता समूहों, गैर सरकारी संगठनों, उद्योग और कैम्पा उत्तराखंड के प्रतिनिधियों सहित हितधारकों के एक विविध समूह ने भाग लिया। श्रीमती कंचन देवी, पी.सी.सी.एफ और भा.वा.अ.शि.प. महानिदेशक ने विस्तार कार्य के महत्व पर प्रकाश डाला और इस बात पर ज़ोर दिया कि अब समय आ गया है कि पाँच साल पहले शुरू की गई शोध परियोजनाओं के परिणामों को लक्षित लाभार्थियों तक पहुँचाया जाए। डॉ. पी.एस. रावत ने अनुसंधान को प्रयोगशाला से ज़मीन तक पहुँचाने के लिए परिषद की प्रतिबद्धता की सराहना की और ज़मीनी स्तर के लाभार्थियों तक पहुँचने में हुई ठोस प्रगति को स्वीकार किया। कार्यशाला में खमैर हेतु उन्नत कृषिपद्धति का विकास, वनों पर जलवायु-संचालित प्रभावों की दीर्घकालिक निगरानी, महुआ का आनुवंशिक सुधार और मूल्य संवर्धन, वृक्षारोपण उत्पादकता बढ़ाने के लिए सिल्वीकल्चर हस्तक्षेप और विभिन्न वृक्ष प्रजातियों के लिए जल आवश्यकताओं का आंकलन पर चर्चा की गई।

TheHitavada
Jabalpur City Line | 2025-08-01 | Page- 4
ehitavada.com

2-day national workshop of ICFRE–TFRI begins

■ Staff Reporter

WITH the aim of sharing, discussing, and disseminating the outcomes of the All India Coordinated Research Projects (AICRPs) sponsored by CAMPA, MoEFCC, a two-day national workshop was inaugurated at ICFRE–Tropical Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur.

The event witnessed participation from a diverse group of stakeholders including officials from State Forest Departments, research institutions, progressive farmers, academicians, representatives from Self Help Groups (SHGs), NGOs, and CAMPA Uttarakhand. The workshop was conducted in both offline and online modes to ensure wide engagement.

The inaugural session was graced by several eminent dignitaries, including Tapesh Jha, PCCF & Director, SFRTI, Pradeep Vasudeva, PCCF & Director, SFRI, Dr Rajesh Sharma, DDG (Research), ICFRE, Dr PS Rawat, ADG (R&P), project investigators and coordinators; along with scientists from various ICFRE institutes and associated stakeholders.

Invited dignitaries seen releasing a souvenir during the national workshop.

Kanchan Devi, PCCF and Director General, ICFRE, highlighted the importance of extension work, stressing that it is now time to deliver the outcomes of research projects initiated five years ago to the intended beneficiaries. She emphasized that taking research outputs to stakeholders marks the true conclusion and real service of extensive scientific efforts.

Dr Rajesh Sharma commended the institute's efforts in ensuring stakeholder inclusion within the workshop framework. He appreciated the dedication of scientists in implementing the projects and shared a key achievement - the successful development and upcoming national release of the CH-5 Casuarina clone under the AICRP framework. Dr P.S. Rawat lauded the Council's commitment to translating research from 'lab to land', acknowledging the tangible progress made in reaching grassroots beneficiaries.

Dr HS Ginwal, Director of ICFRE–TFRI, welcomed all participants and encouraged them to actively engage and derive maximum benefit from the sessions.

During the event, successfully organized by Dr Fatima Shirin, Scientist, ICFRE-TFRI, dignitaries released a range of extension materials in local languages to support stakeholder engagement and enhance knowledge dissemination.

Powered by Bharati Web

पत्रिका

टीएफआरआई में कार्यशाला

वन उत्पादों के प्रबंधन और मूल्य संवर्धन उत्पादों से कराया अवगत

जबलपुर @ पत्रिका. उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में पर्यावरण, वन मंत्रालय के सहयोग से दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ गुरुवार को किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य वन उत्पादों के प्रबंधन, मूल्य संवर्धन और अनुसंधान को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में राज्य वन विभागों के अधिकारी, अनुसंधान संस्थानों के प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, स्वयं सहायता समूह, गैर सरकारी संगठन, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और उत्तराखंड से आए प्रतिभागी शामिल हुए। महानिदेशक कंचन देवी ने कहा कि अनुसंधान परियोजनाओं को अब किसानों और स्थानीय हितधारकों तक पहुंचाना प्राथमिकता है।

उप महानिदेशक भावाअशिप डॉ. राजेश शर्मा ने वैज्ञानिकों के प्रयासों की सराहना की। डॉ. पीएस रावत ने ''प्रयोगशाला से ज़मीन तक'' सिद्धांत को साकार करने के प्रयासों के बारे में अवगत कराया। संस्थान निदेशक डॉ. एचएस गिनवाल ने कहा कि वन उत्पादों के प्रबंधन के साथ-साथ मूल्य संर्वधन पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है।कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. फातिमा शिरीन ने कार्यशाला से जुड़ी जानकारी दी।

01/08/2025 | jabalpur | Page : 12
Source : https://epaper.patrika.com/

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

स्वदेश। ■ जबलपुर

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम में राज्य वन विभागों के अधिकारियों, अनुसंधान संस्थानों, प्रगतिशील किसानों, शिक्षाविदों, स्वयं सहायता समूहों, गैर सरकारी संगठनों, उद्योग और कैम्पा उत्तराखंड के प्रतिनिधियों सहित हितधारकों के एक विविध समूह ने भाग लिया। व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कार्यशाला ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरीकों से आयोजित की गई थी।

उद्घाटन सत्र में कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें तपेश झा, पी.सी.सी.एफ एवं निदेशक, एस.एफआर.टी.आई, प्रदीप वासुदेव, पीसीसीएफ एवं निदेशक, एसएफआरआई, डॉ. राजेश शर्मा, उप महानिदेशक (अनु.), भा.वा.अ.शि.प.; डॉ. पी.एस. रावत, सहायक महानिदेशक, परियोजना अन्वेषक और समन्वयक; विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिक और संबंधित हितधारक शामिल थे।श्रीमती कंचन देवी, पी.सी.सी.एफ और भा.वा.अ.शि.प. महानिदेशक ने विस्तार कार्य के महत्व पर प्रकाश डाला और इस बात पर ज़ोर दिया कि अब समय आ गया है कि पाँच साल पहले शुरू की गई शोध परियोजनाओं के परिणामों को लक्षित लाभार्थियों तक पहुँचाया जाए। डॉ. पी.एस. रावत ने अनुसंधान को प्रयोगशाला से ज़मीन तक पहुँचाने के लिए परिषद की प्रतिबद्धता की सराहना की और ज़मीनी स्तर के लाभार्थियों तक पहुँचने में हुई ठोस प्रगति को स्वीकार किया।